UP Board Notes Class 6 Hindi Chapter 5
नीतिश्लोकाः (अनिवार्य संस्कृत)

1. सर्वे भवन्तु ..... दुःखभाग्भवेत्।।

हिन्दी अनुवाद – सब सुखी हों, सब नीरोग हों, सब सज्जन हों, कोई दुखी न हो।

2. अलसस्य ..... कुतः सुखम् ।।

हिन्दी अनुवाद – आलसी व्यक्ति को विद्या कहाँ? विद्या के बिना धन कहाँ? धन के बिना मित्र कहाँ और मित्र के बिना सुख कहाँ?

3. विद्या ददाति ..... ततः सुखम् ।।

हिन्दी अनुवाद – विद्या विनय देती है, विनय से योग्यता आती है, योग्यता से धन आता है, धन – से धर्म और धर्म से सुख मिलता है।

4. पुस्तकस्था ..... तद् धनम् ।।

हिन्दी अनुवाद – पुस्तक में छिपी विद्या और दूसरे के हाथों में गया धने समय पर काम नहीं आता; अर्थातू अपना ज्ञान तथा अपने पास का धन ही मौके पर साथ देता है।

5. परोपकाराय ..... शरीरम् ।।

हिन्दी अनुवाद – परोपकार के लिए वृक्ष फल देते हैं; परोपकार के लिए नदियाँ बहती (जल देती) हैं। परोपकार के लिए गायें दूध देती हैं; परोपकार के लिए ही यह मानव शरीर है; अर्थातू मानवों का जन्म ही परोपकार करने के लिए हुआ है।

https://www.evidyarthi.in/